शिक्षण पाठ योजना

सिमेस्टर – II

I. MJ 2 - हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल) व्याख्यान घंटे : 60

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा:

1. विद्यार्थियों को भारतवर्ष की 17वी से 19 वी शताब्दी के मध्य के सामाजिक , सांस्कृतिक , राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान प्राप्त होगा ।
2. इस काल के साहित्यकार और उनकी रचनाओ से वे हो सकेंगे ।
3. इस काल के साहित्य का भावात्मक और राजसतात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा ।
4. इससे सृजन के काव्यरूप का ज्ञान प्राप्त होगा ।
5. इससे साहित्य सृजन के आधार हिन्दी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा ।
6. भारतेन्दु युग से छायावाद तक के काल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्तिथियों एवं परिवेश से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे ।
7. विधीयर्थी राष्ट्रीय नवजागरण के परिद्रश्य से परिचित हो सकेंगे ।
8. छायावाद काव्य संवेदना और अभिभावक सौन्दर्य से परिचित हो सकेंगे ।

क्र . सं	प्रस्तावित संरचना	व्याख्यान घंटे	कार्यप्रणाली	मूल्यांकन विधि
इकाई-I	रीतिकाल का नामकरण और कलसीमा, रीतिकालीन परिस्थितियाँ रीतिकाल की प्रवृतियाँ, रिरतिकलीन कव्याधराएं, रीतिकाल के कवि, चिंतामणी, मतिराम, बिहारी, घननंद, पत्रकार, भूषण का परिचय ।	20 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार
ईकाई-II	आधुनिक काल की प्रिष्ठभूमि, हिन्दी गद्य का विकास, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग ।	20 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार
ईकाई-III	आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृतियाँ – भारतेन्दु युग, छायावाद युग ।			
	निर्धारित कवि और कविताएं 1. भारतेन्दु, गंगा वर्णन । 2. मैथिलीशरण गुप्त- मात्रभूमि । 3. जयशंकरप्रसाद- हीमादि तुंग श्रृंग से, बीती विभावरी जागरी । 4. निराला – भीझुक, भर्ती वंदना । 5. पंत- प्रथम रशिम, नौका वियाहर, ताज । 6. महादेवी वर्मा – मई नीर भरी दुःख की बदली, मधुर – मधुर मेरे दीपक जल ।	20 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार

<u>अनुशंसित पुस्तके :-</u>

1. काव्य कुसुम (सं) - डॉ. हिरानंदन प्रसाद, डॉ.जितेंद्रकुमार सिंह, डॉ सुनीता कुमारी गुप्ता
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचन्द्र शुक्ल

- द्वारा तैयार

सुश्री प्रतिमा परधिया